

संपादकीय

दवा के दर्द

हरियाणा-हिमाचल के फार्मा उद्योग पर मार

खाड़ी में अमेरिका-इस्लाम व ईरान के बीच जारी संघर्ष का प्रभाव केवल पेट्रोलियम पदार्थों पर ही नहीं, कृषि से लेकर दवा उद्योग पर भी असर दिखाने लगा है। इस संघर्ष ने अब हिमाचल और हरियाणा के दवा उद्योग को भी अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। सर्वविदित है, ये क्षेत्र देश के दवा उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, खासकर लघु एवं मध्यम उद्यमों के माध्यम से। लेकिन पश्चिमी एशिया में जारी अशांति के चलते, प्रमुख कच्चे माल की आपूर्ति में अचानक गंभीर व्यवधान पैदा हो गया है। दरअसल, इस संकट के मूल में जरूरी

“ दरअसल, इस संकट के मूल

में जरूरी

फार्मास्यूटिकल अवयवों

यानी एपीआई,

सॉल्वेंट्स और

पेट्रोकेमिकल

डेरिवेटिव्स की कीमतों

में भारी वृद्धि होना है।

दरअसल, इनमें से कई

कच्चे मालों की आपूर्ति

पश्चिमी एशिया से होती

है या इन देशों से लगते

समुद्री मार्गों से होकर

भारत पहुंचती है। एक

तो इस इलाके में संघर्ष

के चलते शिपिंग मार्गों

पर भारी दबाव पड़ा है।

वहीं ऊर्जा साधनों की

कीमतों में अस्थिरता के

चलते, कुछ क्षेत्रों में

कच्चे माल की कीमतों

में तीस प्रतिशत तक

की वृद्धि हुई है।

खासकर पैकेजिंग

सामग्री, जो

अधिकांशतः पेट्रोलियम

पदार्थों पर आधारित

होती है, वह भी खासी

महंगी हो गई है।

बरोटीवाला-नालागढ़ क्षेत्र और हरियाणा के फार्मा क्लस्टर्स पर इसकी दोहरी मार पड़ रही है। जहां एक ओर उत्पादन लागत में भारी वृद्धि हुई है, वहीं दूसरी ओर छोटे निर्माताओं को उत्पादन में कटौती करने अथवा नुकसान उठाने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। दूसरी ओर बढ़ती लागत व वैश्विक परिवहन लागत में वृद्धि के कारण निर्यात प्रतिस्पर्धा में ये उद्योग पिछड़ रहा है। बहरहाल, इस संकट ने आयातित कच्चे माल और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर भारत की निर्भरता की कमजोरी को भी उजागर कर दिया है। हालांकि, केंद्र सरकार की पहल से आयातित कच्चे सामान पर शुल्क में छूट से भले ही कुछ राहत मिली हो, लेकिन कच्चे माल के वैकल्पिक स्रोत तलाशने, घरेलू एपीआई उत्पादन क्षमता बढ़ाने और प्रवासी श्रमिकों के लिये सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर व्यापक सुधार करने की आवश्यकता है। सही मायनों में एक दूर का युद्ध भारत की दवा आपूर्ति और उसके उत्पादकों के धैर्य की परीक्षा ले रहा है।

किसानों की हित में फैसलों से मजबूत हो रही छत्तीसगढ़ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था

डॉ. ओम प्रकाश डहरिया
सहा. जनसंपर्क अधिकारी

छत्तीसगढ़ की पहचान देश के धान के कटोरे के रूप में है। यहां की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण जीवन का मजबूत आधार कृषि और किसान हैं। किसानों की समृद्धि को प्रदेश के विकास का आधार मानते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने बीते तीन वर्षों में कृषि क्षेत्र को नई दिशा देने के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने, आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने, खेती को आधुनिक बनाने और कृषि व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के प्रयासों का व्यापक असर दिखाई दे रहा है। बीते तीन वर्षों में लगभग 437 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी और किसानों को 1.40 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था में धान खरीदी के महत्व को रेखांकित करता है।

तीन वर्षों में धान खरीदी और भुगतान का व्यापक दायरा

मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में 15 नवंबर से धान खरीदी प्रारंभ करने नि निर्णय लिया है। इस वर्ष 27.50 लाख से अधिक किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से अधिकतम 21 क्विंटल प्रति एकड़ के विपणन वर्ष 2023-24 में लगभग 144.92 लाख मीट्रिक टन और वर्ष 2024-25 में लगभग 149.25 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई। वर्ष 2025-26 में भी लगभग 142 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन हुआ। इन तीन खरीफ सीजन में लगभग 437 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई और किसानों को लगभग 1.40 लाख करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। यह व्यवस्था किसानों को उनकी उपज का मूल्य उपलब्ध कराने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान कर रही है।



3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी का निर्णय

किसानों के हित में मंत्रिपरिषद ने खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में 15 नवंबर से धान खरीदी प्रारंभ करने नि निर्णय लिया है। इस वर्ष 27.50 लाख से अधिक किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से अधिकतम 21 क्विंटल प्रति एकड़ के विपणन वर्ष 2023-24 में लगभग 144.92 लाख मीट्रिक टन और वर्ष 2024-25 में लगभग 149.25 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई। वर्ष 2025-26 में भी लगभग 142 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन हुआ। इन तीन खरीफ सीजन में लगभग 437 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई और किसानों को लगभग 1.40 लाख करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। यह व्यवस्था किसानों को उनकी उपज का मूल्य उपलब्ध कराने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान कर रही है।

किसानों को आर्थिक संबल देने के लिए संचालित कृषक उन्नति योजना के तहत खरीफ 2023 से खरीफ 2025 तक लगभग 25.52 लाख किसानों को 35,904.90 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। धान के स्थान पर अन्य लाभकारी फसल लेने वाले किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए सहायता राशि 11 हजार रुपये से बढ़ाकर 15 हजार रुपये प्रति एकड़ की गई है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अंतर्गत प्रदेश के किसानों को अब तक 12,267.39 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्रदान की जा चुकी है।

आधुनिक खेती, सिंचाई और फसल विविधीकरण पर जोर

कृषि को आधुनिक और लाभकारी बनाने के लिए वर्ष 2024-25 से अब तक 8,567 कृषि यंत्र उपलब्ध कराए गए हैं तथा 678 फार्म मशीनरी बैंक स्थापित किए गए हैं। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत 46,615 हेक्टेयर क्षेत्र में ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई का विस्तार हुआ है और किसानों को 201.07 करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान दिया गया है।

जो नींद से नाता बना रहे तो जीवन की गाड़ी चलती रहे

रश्मि बंसल

कल मैंने बहुत इंतजार किया। पर कमबख्त आई नहीं! छत की तरफ देखा, खिड़की की तरफ देखा, कि कहीं चुपके से कमरे में घुसने की कोशिश तो नहीं कर रही? क्या वह मुझसे नाराज थी? अगर हां तो बताए मुझसे क्या भूल हुई? वो आजकल मुझसे दूर-दूर क्यों रहती है? नहीं, यह कोई रोमांटिक फिल्मी डायलॉग नहीं, मेरा कड़वा सच है। मुझे आजकल बड़ी मुश्किल से नींद आती है! अचम्भे की बात है। क्योंकि एक समय था जब नींद मेरी सच्ची सहेली थी। कॉलेज में कोई बोरिंग क्लास चल रही हो, वो मेरे पास आकर बैठ जाती। कि चल, लोड न ले, मैं हूं ना!

बड़ी चंचल थी मेरी यह सहेली। सुबह फाइनल एजाम है, और रात को वो मेरे कान में फुसफुसाती- ‘तुझे सब तो आता है, बार-बार क्यों पढ़ रही है? किताब बंद कर, और चल मेरे साथ!’ तब वहीं टेक्स्ट-बुक पर माथा टेककर मैं अपनी इस सहेली

का दुपट्टा पकड़कर निद्रावन की सैर पर निकल पड़ती।

जैसे-जैसे उम्र बढ़ी, जिम्मेदारियां बढ़ने लगीं। घर का काम, ऑफिस का काम, इन सब में इतनी उलझ गई कि कई बार जब मेरी सहेली आती तो मैं उसे भगा देती। कहती कि जा, मैं बहुत बिजी हूं। और तो और, मैंने कुछ नई संगत भी अपना ली। बुरी संगत!

कुछ लोग सिगरेट पीते हैं, अपना स्ट्रेस कम करने के लिए। मैंने भी ऐसा ही एक फालतू दोस्त बना लिया, जो मेरी उंगलियों के इशारे पर नाचता है। लेकिन ऐसा तो मुझे लगा था। सच्चाई यह थी कि वो मुझे नचा रहा था! आप समझ गए होंगे, वो नालायक शख्स मेरा मोबाइल फोन है!

जी हां, सोने के पहले मैं उसकी रील्स की दुनिया में मशगूल रहने लगी। दो-तीन घंटे कैसे गुजर जाते, पता ही नहीं लगता। जब नींद आती भी तो दबे पांव चली जाती। और कुछ समय से तो उसने हवाश होकर आना ही बंद कर दिया है। तब पता चला, कि पानी सर के ऊपर चढ़ गया है।



इंटरनेट पर छानबीन की। बहुत सलाहकार हैं। सोने से पहले हल्दी दूध पियो, कोई बोला। सुगंध वाला कैंडल जलाओ, मोटे-मोटे पदें बनवाओ। सब किया पर नींद फिर भी नहीं आती। जितना उसके बारे में सोचो, वो उतना ही दूर भागती। आखिर इस समस्या का हल क्या है?

नींद! गहरी, मीठी, मजेदार नींद। यह

वो सौगात है जिसे न खरीदा जा सकता है, न बेचा जा सकता है। लेकिन लापरवाही से पियो, कोई बोला। सुगंध वाला कैंडल जलाओ, मोटे-मोटे पदें बनवाओ। सब किया पर नींद फिर भी नहीं आती। जितना उसके बारे में सोचो, वो उतना ही दूर भागती। आखिर इस समस्या का हल क्या है?

यही अभिशाप मिलता है।

इसी भावना को व्यक्त करने वाली कुछ पंक्तियां चलते-चलते सुनें :

कल बच्चे की फीस भरनी है, पैसे कम हैं। किसी ने कोई खो दिया, आखें नम हैं। जब दिल पर बोझ हो नींद आती नहीं सोच-सोचकर परेशानी जाती नहीं। हां, अगर एक रात गहरी नींद मिल जाए। अगली सुबह एक नया जोश हम पाएं नींद है हर मर्ज की दवा। होने दो सारी दुनिया बेवफा। अगर नींद से नाता बना रहे जीवन की रेलगाड़ी चलती रहे मैं फिर अपनी सहेली को पुकार रही हूं। आ जा, तेरा दुपट्टा पकड़ने को तैयार रहूँ छोड़ दो वो झूठी दोस्ती-यारी अब तो मान जा, निर्दिश्या प्यारी! गहरी, मीठी, मजेदार नींद। यह वो सौगात है, जिसे न खरीदा जा सकता है, न बेचा जा सकता है। लेकिन लापरवाही से आप इसे खो जरूर सकते हो। बचपन में वो हम सबके पास थी। बस हो या रेल, कहीं भी आ जाती थी। आ ज़ तो बिजनेस क्लास में भी बहुताओं को प्राप्त नहीं।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

ऋषभ मिश्रा

स्टारलंक तकनीकी रूप से दूर बैठे अपने टर्मिनलों को निष्क्रिय अथवा सेवा सीमित कर सकती है। ऐसे में संकट के समय यदि सरकार या नागरिकों को इंटरनेट की जरूरत हो, लेकिन कंपनी सेवा बहाल न करना चाहे, तो अधिकारियों के पास क्या विकल्प होगा?

डिजिटल दौर में इंटरनेट केवल मनोरंजन या सूचना का साधन न होकर राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और इमरजेंसी सेवाओं के लिए भी प्रमुख हो चुका है। एलन मस्क की कंपनी ‘स्टारलंक’ ने उपग्रहों के जरिए इंटरनेट सेवा प्रदान करके डिजिटल क्रांति को अगले मुकाम पर पहुंचा दिया है। अब यह भारत में आने को लालायित है। लेकिन इसे भारत में अपनी सेवाएं शुरू करने के लिए नियामकीय मंजूरियों, सुरक्षा संबंधी शर्तों और स्पेक्ट्रम आवंटन प्रक्रिया से गुजरना होगा। हालांकि इसकी ‘एंट्री’ से पहले कोरोबारी प्रतिस्पर्धा और सुरक्षा के सवाल चर्चा में हैं। ‘स्पेसएक्स’ की सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलंक की प्रायोगिक शुरुआत 2020 में हुई थी। खासितय यह कि दूरदराज के इलाकों में भी ब्रॉडबैंड इंटरनेट पहुंचा सकती है, जहां फाइबर केबल बिछाना या टावर लगाना मुश्किल है। यह पृथ्वी की निचली कक्षा (एलईओ) में घूम रहे उपग्रह नेटवर्क पर आधारित है। इसके 11 हज़ार से अधिक उपग्रह हैं, जिनमें से अधिकांश 550 किमी की ऊंचाई पर परिक्रमा करते हैं। इसके मुकाबले पारंपरिक जियोस्टेशनरी संचार उपग्रह करीब 35,786 किलोमीटर की ऊंचाई पर होते हैं। स्टारलंक में डेटा आने-जाने में कम समय लग सकता है, जिससे वीडियो कॉल आदि में बेहतर अनुभव मिलता है।

दरअसल सैटेलाइट इंटरनेट में उपग्रहों, जमीन पर बने गेटवे और यूजर टर्मिनल की मदद से इंटरनेट कनेक्शन पहुंचाया जाता है। ये उपग्रह रेडियो सिग्नल के जरिए यूजर टर्मिनल से संपर्क करते हैं। स्टारलंक में ग्राउंड स्टेशन/गेटवे जमीन पर स्थित वे सुविधाएं हैं, जो उपग्रह नेटवर्क को इंटरनेट के अन्य नेटवर्क से जोड़ती हैं। यहां से डेटा फाइबर केबल जैसे स्थलीय



नेटवर्क के जरिए आगे पहुंचता है। यूजर की लोकेशन पर स्टारलंक का यूजर टर्मिनल लगाया जाता है, जिसमें सैटेलाइट एंटीना व वाई-फाई राउटर शामिल होते हैं। एंटीना रेडियो सिग्नल के जरिए उपग्रहों से संपर्क करता है और इलेक्ट्रॉनिक तकनीक की मदद से कनेक्शन बनाए रखता है। दरअसल मौजूदा टेलीकॉम कंपनियों के लिए यह नई प्रतिस्पर्धा होगी तो वहीं दूरदराज के इलाकों तक इंटरनेट पहुंचाने के लिहाज से इसे बड़े अवसर के रूप में भी देखा जा रहा है। बड़ा सवाल है कि स्टारलंक के आने से भारत को क्या लाभ होंगे और विदेशी कंपनी के ऑपरेटिंग कंट्रोल व डेटा सुरक्षा चुनौतियों से कैसे निपटा जाएगा। गौरतलब है कि जमीन आधारित कनेक्टिविटी स्थायी बुनियादी ढांचे पर निर्भर होती है। मोबाइल टावर और फाइबर नेटवर्क किसी एक क्षेत्र के विशाल जनसमुदाय को

सेवा दे सकते हैं, लेकिन नए क्षेत्रों में सेवाएं देने के लिए वहां बुनियादी ढांचा बनाना पड़ता है। किसी आपदा या युद्ध के दौरान अगर ये ढांचे नष्ट हो जाएं तो संपर्क भी टूट जाते हैं। स्टारलंक चूंकि सैटेलाइट से चालित इंटरनेट तकनीक है, यही बात इसे आपदा से प्रभावित क्षेत्रों, युद्धग्रस्त इलाकों और दुर्गम पहाड़ियों के लिए उपयुक्त बनाती है।

हालांकि भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा प्रदाताओं के लिए कड़े नियम लागू हैं। साथ ही भारतीय यूजर्स का डेटा देश में स्थित ग्राउंड गेटवे से होकर गुजरना अनिवार्य है। यद्यपि स्टारलंक ने इनका पालन करने की इच्छा जताई है। फिर भी तीन बड़ी चुनौतियां आ सकती हैं जिसमें से पहली चुनौती सरकारी आदेश पर अमल कराना है। पारंपरिक संचार तंत्रों को सरकार जरूरत पड़ने पर बंद करने का आदेश दे सकती है।

राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता संभव नहीं

स्टारलंक जैसे सैटेलाइट इंटरनेट में यह प्रक्रिया इतनी सीधी नहीं है। दूसरी चुनौती, कनेक्टिविटी पर नियंत्रण रखना है। स्टारलंक तकनीकी रूप से दूर बैठे अपने टर्मिनलों को निष्क्रिय कर सकती है अथवा किसी क्षेत्र में सेवा सीमित कर सकती है। ऐसे में संकट के समय यदि सरकार या नागरिकों को इंटरनेट की जरूरत हो, लेकिन कंपनी सेवा बहाल न करना चाहे, तो अधिकारियों के पास इसे दोबारा चालू करवाने का सीधा साधन क्या होगा यह अभी स्पष्ट नहीं।

तीसरी चुनौती, डेटा की आवाजाही पर निगरानी रखना है। विदेशी कंपनी के नियंत्रण वाले नेटवर्क में संवेदनशील जानकारीयों और डेटा की निगरानी भी चुनौती है। भारत के पास स्टारलंक और अन्य विदेशी सैटेलाइट इंटरनेट प्रदाताओं का स्वागत करने की अच्छी वजहें हैं। हालांकि इसके लिए तकनीकी अवसरों व राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संतुलन जरूरी है। इस रणनीति के चार प्रमुख पहलू हो सकते हैं। पहला, शर्तों के साथ व्यापक अनुमति देना है। वस्तुतः स्टारलंक दूरदराज के इलाकों, आपदा प्रबंधन और समुद्री सेवाओं में उपयोगी साबित हो सकती है, जहां इंटरनेट पहुंचाना मुश्किल है। नियमों और शर्तों के पालन के बाद इसकी व्यावसायिक सेवाओं को व्यापक अनुमति दी जा सकती है। दूसरा, सैटेलाइट इंटरनेट प्रदाताओं के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ानी चाहिए। अलग-अलग देशों की कंपनियों की मौजूदगी से विकल्प बढ़ेंगे और किसी भी विदेशी कंपनी पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। तीसरा, भारत को अपने सैटेलाइट नेटवर्क विकसित करने चाहिए। मसलन, जियो ने 1,600 उपग्रहों का समूह स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है। सरकार को बाहरी दबाव से मुक्त रखकर घरेलू उपग्रह नेटवर्क के विकास को प्रोत्साहित करना चाहिए। और चौथा, निगरानी क्षमता मजबूत करना है। केवल लाइसेंस की शर्तें तय कर देना विदेशी कंपनियों के ऑपरेशनल कंट्रोल से जुड़े जोखिमों को पूरी तरह खत्म नहीं कर सकता।

लेखक केआईटी में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं।



नहीं भाई, नाम में बहुत कुछ रखा है

यूपी के एमएलसी चुनावों के लिए आयी इलाहाबाद-झांसी स्नातक मतदाता सूची में एक नाम आया कि राम ने यादव को मारा। अभी तक राम जी रावण को मारते आ रहे थे। मारा तो खैर उन्होंने बाली को भी। वैसे तो यह किसी ज्ञानी ने ही कहा होगा और शायद शेक्सपियर ने ही कहा था कि ‘नाम में क्या रखा है’, जो अब एक कहावत-सी बन गई है। लेकिन इधर मामला यह नहीं रह गया है कि नाम में क्या रखा है बल्कि मामला यह हो गया है कि यह क्या नाम रखा है। नहीं जी नहीं, हम अपने नाम की बात नहीं कर रहे कि यह क्या नाम रखा है। बल्कि इधर चुनाव आयोग ने मतदाताओं के जो नाम रखे हैं, उन्हें देखकर आए हमसे यह सवाल करना भूल जाएंगे कि यह क्या नाम रखा है। वैसे तो हमारे यहां नामों का भी मजाक चलता ही है उतर से दक्षिण तक और पूरब से पश्चिम तक। और मजाक का क्या है जनाब, हम तो लोगों की विफलता का भी मजाक बना देते हैं। कोई फिसलकर गिर जाए तो उसका भी मजाक बना देते हैं।

फिर नाम का मजाक बनाना क्या बड़ी बात है। लेकिन इधर चुनाव आयोग ने मतदाताओं के जो नाम रखे हैं, उसने मतदाताओं, मतदाता सूचियों और खुद चुनाव आयोग का ही मजाक बना दिया है। अब तक चुनाव आयोग सबसे बड़ा राजनीतिक मुद्दा था। लेकिन अब वह मजाक भी बन गया है। आइए देखते हैं कि कैसे वह मजाक बन रहा है।

यूपी के एमएलसी चुनावों के लिए आयी इलाहाबाद-झांसी स्नातक मतदाता सूची में एक नाम आया कि राम ने यादव को मारा। अभी तक राम जी रावण को मारते आ रहे थे। मारा तो खैर उन्होंने बाली को भी। लेकिन उन्हें क्योंकि वे हर साल नहीं मारते हैं और रावण को हर साल मारते हैं तो लोगों के जेहन में यही बसा हुआ है कि राम ने रावण को मारा। लेकिन चुनाव आयोग की मतदाता सूची में राम ने यादव को भी मार दिया। अब क्योंकि हमारे यहां धर्म की तरह जाति का मसला भी काफी संवेदनशील होता है तो लोगों ने सवाल खड़ा कर दिया कि राम ने यादव को ही क्यों मारा? फिर पता चला कि नहीं राम ने यादव को ही नहीं, शर्मा को भी मारा है। मामला धर्म निरपेक्ष तो नहीं हुआ, पर जाति निरपेक्ष हो गया और फिर मूर्खचंद यादव का सवाल नहीं उठा। आयोग के अधिकारियों ने राहत की सांस ली। कहा कि अच्छा हुआ कि किसी अल्पसंख्यक को नहीं मारा। हम पर सांप्रदायिक होने का आरोप लग जाता। लेकिन फिर पता चला कि उधर कोई मोहम्मद पागल रहान मिल गया है और मोहम्मद इकबाल भीख भी मांगता है। नहीं जी नहीं। यह न तो मानसिक स्वास्थ्य का मामला है और न ही पेशे का। यह भी नाम ही है। इसलिए लोग अब यह नहीं कह रहे कि नाम में क्या रखा है बल्कि पूछ रहे हैं कि यह क्या नाम रखे हैं। नहीं क्या?



इलियाना को मॉडलिंग से लगता था डर पहली ही फिल्म में मिला फिल्मफेयर अवॉर्ड

फिल्मी दुनिया में कई कलाकार ऐसे होते हैं, जिन्हें पहली ही फिल्म से दर्शकों का प्यार मिल जाता है लेकिन उस मुकाम तक पहुंचने का उनका सफर आसान नहीं होता। इलियाना डिकूज भी ऐसी ही अभिनेत्रियों में शामिल हैं। उन्होंने दक्षिण भारतीय फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत की और बाद में हिंदी सिनेमा में भी अपनी जगह बनाई। रणबीर कपूर और प्रियंका चोपड़ा के साथ फिल्म बर्फी में काम करने के बाद उनकी पहचान देशभर में हो गई। हालांकि, कैमरे के सामने आने से पहले इलियाना मॉडलिंग को लेकर भी सहज नहीं थीं। उन्हें शुरुआत में इस दुनिया में कदम रखने से डर लगता था, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने खुद को इस काम के लिए तैयार किया और पहली ही फिल्म से अवॉर्ड जीतकर अपनी प्रतिभा साबित की।

इलियाना डिकूज का जन्म 1 नवंबर 1986 को मुंबई में हुआ था। उनके पिता रोनाल्डो डिकूज और मां समीरा डिकूज हैं। उनका परिवार मूल रूप से गोवा से जुड़ा है। जब इलियाना करीब 10 साल की थी, तब उनका परिवार गोवा चला गया। वहीं उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी की। उनके परिवार में तीन भाई-बहन हैं। इलियाना का बचपन सामान्य तरीके से बीता और उस समय उन्होंने अभिनेत्री बनने के बारे में नहीं सोचा था।

इलियाना की मॉडलिंग में एंट्री भी एक दिलचस्प घटना के बाद हुई। उनकी मां जिस होटल में काम करती थीं, वहां के एक मैनेजर ने इलियाना को देखा और उनकी मां को मॉडलिंग में करियर बनाने की सलाह दी। इसके बाद उनकी मां ने उन्हें इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। शुरुआत में इलियाना कैमरे के सामने आने में सहज नहीं थीं। साल 2003 में उनका पहला

मॉडलिंग पोर्टफोलियो तैयार किया गया था लेकिन उन्हें वह बिल्कुल पसंद नहीं आया। उन्होंने बाद में इसे अपना खराब अनुभव बताया था। हालांकि, इसके बाद उन्होंने कुछ फोटोशूट और रैंप शो किए। धीरे-धीरे उन्हें विज्ञापनों में काम मिलने लगा।

मॉडलिंग के दौरान इलियाना को तेलुगु फिल्म देवदास में काम करने का मौका मिला। साल 2006 में रिलीज हुई इस फिल्म से उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। उस समय उनकी उम्र करीब 17 साल थी। फिल्म में उन्होंने भानुमति का किरदार निभाया था। यह एक रोमांटिक फिल्म थी, जिसमें राम के साथ उनकी जोड़ी दिखाई दी थी। फिल्म को दर्शकों ने पसंद किया और इलियाना की एक्टिंग की भी तारीफ हुई। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर साउथ का बेस्ट फीमेल डेब्यू अवॉर्ड मिला। पहली ही फिल्म से सम्मान मिलने के बाद उनका आत्मविश्वास बढ़ा।

इसके बाद इलियाना ने तेलुगु सिनेमा में कई सफल फिल्मों में काम किया। पोकीरी, जलसा, किक और जुलाई जैसी फिल्मों ने उन्हें दक्षिण भारतीय सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शामिल कर दिया। महेश बाबू, पवन कल्याण, रवि तेजा और अल्लु अर्जुन जैसे कलाकारों के साथ काम करके उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। साल 2012 में उन्होंने तमिल फिल्म ननबन में भी काम किया।

इलियाना के करियर का सबसे बड़ा मोड़ साल 2012 में आया, जब उन्होंने अनुराग बसु की फिल्म बर्फी से बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म में उनके साथ रणबीर कपूर और प्रियंका चोपड़ा थे। फिल्म में उन्होंने रश्मि घोष का किरदार निभाया था। यह एक ऐसी लड़की की कहानी थी, जिसकी जिंदगी में प्यार और रिश्तों को लेकर कई मुश्किलें आती हैं। फिल्म में इलियाना का किरदार कहानी को आगे बढ़ाने में अहम था।

इलियाना ने एक इंटरव्यू में बताया था कि बर्फी के लिए हां कहना उनके लिए आसान नहीं था। वह गोवा की लड़की थीं और फिल्म में उन्हें 1970 के दशक की बंगाली लड़की का किरदार निभाना था। उन्हें

लगता था कि शायद वह इस भूमिका को ठीक से नहीं निभा पाएंगी। हालांकि, निर्देशक अनुराग बसु को उन पर पूरा भरोसा था। फिल्म का पहला शॉट भी उनके लिए आसान नहीं था। ट्रेन में फिल्माया गया वह सीन उनका पहला शॉट था, जिसमें रणबीर कपूर का किरदार उन्हें देखता है। इलियाना ने बताया था कि वह उस समय काफी घबराई हुई थीं। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट फीमेल डेब्यू का अवॉर्ड मिला।

बर्फी के बाद इलियाना ने मैं तेरा हीरो, हैप्पी एंडिंग, मुबारकां, बादशाहो, रुस्तम और रेड जैसी फिल्मों में काम किया। अक्षय कुमार के साथ रुस्तम और अजय देवगन के साथ रेड में उनके काम को भी दर्शकों ने पसंद किया। साल 2024 में वह तेरा क्या होगा लवली और दो और दो प्यार जैसी फिल्मों में नजर आईं।

निजी जिंदगी की बात करें तो इलियाना ने 2023 में माइकल डोलन से शादी की। इसी साल अगस्त में उन्होंने अपने पहले बेटे को जन्म दिया, जिसका नाम कोआ फोनिक्स डोलन रखा। जून 2025 में वह दूसरी बार मां बनीं और उनके घर दूसरे बेटे का जन्म हुआ। वह सोशल मीडिया पर भी अपनी जिंदगी से जुड़ी झलकियां साझा करती रहती हैं।



पंकज त्रिपाठी-अदिति राव हैदरी की पारिवारिक मनुरंजन ओटीटी पर देगी दस्तक



अभिनेता पंकज त्रिपाठी और अदिति राव हैदरी पहली बार फिल्म ‘पारिवारिक मनोरंजन’ में एक साथ नजर आने वाले हैं। हल्के-फुल्के हास्य और रोमांस से भरपूर इस पारिवारिक फिल्म की डिजिटल प्रसारण तारीख घोषित कर दी गई है। फिल्म का प्रीमियर 13 नवंबर 2026 को सोनी लिव पर होगा। दर्शक इसे मंच की सशुल्क सदस्यता के माध्यम से देख सकेंगे।

फिल्म का टीजर कुछ दिन पहले ही सामाजिक माध्यमों पर जारी किया गया था, जिसे दर्शकों के सामने एक मनोरंजक पारिवारिक कहानी की झलक के रूप में पेश किया गया है। फिल्म का निर्देशन वरुण वी. शर्मा ने किया है। इसके निर्माता विनोद भानुशाली, कमलेश भानुशाली, हिमांशु किशन मेहरा और एलिसिया जफर हैं।

फिल्म के टीजर में पारिवारिक संबंधों, आपसी जुड़ाव और रोजमर्रा की जिंदगी में सामने आने वाली परिस्थितियों को हल्के-फुल्के अंदाज में दिखाया गया है।

कहानी इस बात के इर्द-गिर्द बुनी गई है कि किस तरह छोटी-छोटी घटनाएं लोगों को एक-दूसरे के करीब लाती हैं और परिवार के सदस्यों के बीच रिश्तों को मजबूत बनाती हैं।

निर्माताओं का प्रयास है कि दर्शकों को ऐसी मनोरंजक कहानी देखने को मिले, जिसका आनंद वे अपने परिवार और प्रियजनों के साथ उठा सकें। पंकज त्रिपाठी और अदिति राव हैदरी की पहली साझा फिल्म होने के कारण इसे लेकर दर्शकों में उत्सुकता है।

रामायण में शूर्पणखा क्यों बनीं रकुल प्रीत?

बोलीं - वो सिर्फ खलनायिका नहीं, उसे गलत समझा गया

नितेश तिवारी की आगामी फिल्म रामायण: राइज ऑफ अ लेजेंड में अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह शूर्पणखा का किरदार निभाती नजर आएंगी। रकुल ने ये रोल चुनने की वजह बताते हुए कहा कि शूर्पणखा का किरदार काफी उलझा हुआ और गहराई से भरा है, जिसे अक्सर लोगों ने गलत समझा है। इतिहास में भले ही उन्हें सिर्फ एक घटना के लिए याद किया जाता हो, लेकिन इस चुनौतीपूर्ण किरदार के कई अलग-अलग पहलू भी हैं।

रकुल ने बताया कि भारतीय संस्कृति को वैश्विक स्तर पर पेश करने का मौका मिलना उनके लिए इस फिल्म से जुड़ने की सबसे बड़ी वजहों में से एक था।

रकुल बोलीं, मेरे लिए इस फिल्म में सबसे ज्यादा रोमांचक 2 बातें थीं। पहली ये कि यह दुनिया के सामने भारत, हमारे इतिहास और हमारी सच्चाई का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली वैश्विक फिल्म है और दूसरी यह कि शूर्पणखा का किरदार काफी जटिल है।

रकुल का कहना है कि रामायण में शूर्पणखा का किरदार काफी जटिल है और इसे अक्सर गलत समझा गया है। रामायण के युद्ध की शुरुआत वही वजह बनी थी, इसलिए इसके अलग-अलग रंगों को पर्दे पर जीना बहुत दिलचस्प रहा।

रकुल ने सोशल मीडिया पर एक फैन के खत का जवाब देते हुए भी बताया था कि शूर्पणखा के रोल की इसी गहराई और चुनौती ने उन्हें ये फिल्म साइन करने के लिए प्रेरित किया। रामायण में रावण की बहन शूर्पणखा की भूमिका बेहद अहम है, जो भगवान राम और रावण के बीच युद्ध की वजह बनती है।

राम और लक्ष्मण से मुलाकात के बाद वो रावण के पास जाती है, जिसके बाद सीता हरण और बड़ा युद्ध होता है। रकुल के बयान से साफ है कि फिल्म में शूर्पणखा को केवल युद्ध की वजह के रूप में नहीं, बल्कि उसकी पूरी कहानी और सोच को गहराई से दिखाया जाएगा।

नवजात शिशु के माता-पिता हैं तो इन 5 बातों का रखें खास ध्यान, होगा फायदा

नवजात शिशु के माता-पिता के लिए यह समय बहुत खास होता है। इस दौरान कई नई जिम्मेदारियां और चुनौतियां सामने आती हैं। सही जानकारी और सावधानी बरतने से आप अपने बच्चे की देखभाल बेहतर तरीके से कर सकते हैं। इस लेख में हम कुछ अहम बातें साझा करेंगे, जो आपको और आपके नवजात शिशु को स्वस्थ और खुश रखने में मदद करेंगी। इन सुझावों का पालन करके आप अपने बच्चे की देखभाल आसानी से कर पाएंगे।

बच्चे को मां का दूध पिलाएं

नवजात शिशु के लिए मां का दूध बहुत जरूरी है। यह न केवल उन्हें पोषण देता है, बल्कि उनकी रोगों से लड़ने की क्षमता को भी मजबूत बनाता है। मां का दूध बच्चे को बीमारियों से बचाने में मदद करता है और उनका विकास भी सही तरीके से होता है। इसके अलावा यह मां और बच्चे के बीच का संबंध भी मजबूत करता है। इसलिए जन्म के तुरंत बाद से ही बच्चे को मां का दूध पिलाना शुरू करें।



साफ-सफाई का रखें ध्यान

बच्चे की सफाई बहुत जरूरी है। उनके हाथ-पैर और चेहरे को रोजाना साफ करें। इसके अलावा उनके कपड़े, बिस्तर और खिलौने भी साफ रखें ताकि बीमारियों का खतरा कम हो सके। नवजात शिशु की त्वचा बहुत नाजुक होती है, इसलिए उन्हें गुनगुने पानी से धोएं और मुलायम कपड़े का उपयोग करें। बच्चों को बीमारियों से बचाने के लिए

उनके आसपास की जगह को साफ-सुथरा रखना जरूरी है। नियमित रूप से हाथ धोने की आदत डालें।

टीकाकरण कराएं

बच्चे को समय-समय पर टीकाकरण कराना बहुत जरूरी है ताकि वह विभिन्न बीमारियों से सुरक्षित रह सके। डॉक्टर द्वारा बताए गए सभी टीकों का पूरा कोर्स पूरा कराएं। इसके अलावा डॉक्टर की सलाह पर अन्य जरूरी जांच भी करवाएं। नवजात शिशु

की रोगों से लड़ने की क्षमता बहुत कमजोर होती है, इसलिए उन्हें समय पर टीकाकरण कराने से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित होती है। इससे बच्चे का स्वास्थ्य बेहतर बना रहता है और वह स्वस्थ रहता है।

अच्छी नींद जरूरी है

बच्चे की अच्छी नींद बहुत जरूरी होती है। उन्हें आरामदायक बिस्तर पर सोने दें और शोर-शराबे से दूर रखें ताकि वे अच्छी तरह सो सकें।

नवजात शिशु को दिन में कई बार छोटी-छोटी झपकी लेने दें और रात में भी पूरी नींद दिलाने की कोशिश करें।

इसके अलावा उन्हें शांत और सुरक्षित माहौल में सुलाएं ताकि वे आराम महसूस करें। नवजात शिशु की नींद उनकी सेहत के लिए बहुत जरूरी होती है।

सही खान-पान अपनाएं

बच्चे का खान-पान सही होना चाहिए ताकि वह स्वस्थ रह सके। अगर आप मां का दूध नहीं पिला पा रही हैं तो डॉक्टर की सलाह पर फार्मूला दूध दें। इसके अलावा धीरे-धीरे अन्य पोषक तत्वों जैसे फल, सब्जियां आदि शामिल करें। नवजात शिशु का खान-पान उसकी सेहत के लिए बहुत अहमियत रखता है। इन सभी बातों को अपनाकर आप अपने नवजात शिशु की देखभाल बेहतर तरीके से कर सकते हैं और उसे स्वस्थ रख सकते हैं।

रोजाना एक्सरसाइज नहीं कर पा रहे? ब्लड शुगर को नियंत्रित करने के लिए अपनाएं ये तरीके



ब्लड शुगर का असंतुलित स्तर मधुमेह का कारण बन सकता है, जो एक गंभीर बीमारी है। अगर आप रोजाना एक्सरसाइज नहीं कर पाते हैं तो इस स्थिति में आपका खान-पान काफी हद तक आपकी मदद कर सकता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे खाद्य पदार्थों के बारे में बताते हैं, जो ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में मदद कर सकते हैं और मधुमेह के जोखिम को कम कर सकते हैं।

डार्क चॉकलेट का सेवन करें

डार्क चॉकलेट में मौजूद विशेष तत्व ब्लड शुगर के स्तर को कम करने में मदद कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त डार्क चॉकलेट का सेवन इंसुलिन की क्षमता को सुधार सकता है। यह मधुमेह के लक्षणों को कम करने और हानिकारक तत्वों को कम करने में भी मदद कर सकता है। लाभ के लिए 70 प्रतिशत कोको युक्त डार्क चॉकलेट का सेवन करें। चॉकलेट का सेवन संतुलित मात्रा में करें।

दालचीनी भी है लाभदायक

दालचीनी एक ऐसा मसाला है, जो ब्लड शुगर के स्तर को कम करने में मदद कर सकता है। यह शरीर में इंसुलिन के प्रभाव को बढ़ाकर ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद कर सकती है। इसके अतिरिक्त

दालचीनी में सूजन कम करने वाले गुण होते हैं, जो शरीर की सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं। दालचीनी का उपयोग अपने रोजमर्रा के भोजन में शामिल कर सकते हैं।

एवोकाडो में ऐसे तत्व होते हैं, जो ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त इसमें मौजूद खास तत्व मधुमेह के जोखिम को कम करने में मदद कर सकते हैं। लाभ के लिए रोजाना सुबह खाली पेट एक एवोकाडो खाएं या फिर इसे अपनी किसी भी व्यंजन का हिस्सा बना सकते हैं। एवोकाडो के सेवन से आपको अन्य कई फायदे भी मिल सकते हैं।

नींबू पानी पिएं

नींबू पानी में विटामिन-सी, विशेष तत्व और खनिज होते हैं, जो ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त नींबू पानी पाचन क्रिया को बेहतर बनाने, शरीर से हानिकारक तत्व बाहर निकालने और वजन नियंत्रित करने में भी मदद कर सकता है। लाभ के लिए रोजाना सुबह खाली पेट एक गिलास पानी में आधा नींबू निचोड़ें और उसमें थोड़ा शहद मिलाकर पिएं। नींबू पानी का सेवन आपको सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है।

लहसुन में ऐसे गुण होते हैं, जो ब्लड शुगर के स्तर को कम करने में मदद कर सकते हैं। यह गुण इंसुलिन की क्षमता को सुधार सकता है और ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। इसके अतिरिक्त लहसुन के सेवन से कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को भी नियंत्रित किया जा सकता है। लाभ के लिए रोजाना खाली पेट एक लहसुन की कली खाएं। लहसुन का सेवन आपके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकता है।

खास-खबर

जिला स्तरीय युवा महोत्सव में युवाओं ने बिखेरी प्रतिभा की चमक

रायपुर। युवाओं की प्रतिभा, संस्कृति और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आज जिला पंचायत जांजगीर-चांपा में जिला स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन किया गया। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े शामिल हुई। युवा महोत्सव के अंतर्गत विकसित भारत चैलेंज ट्रैक, लोकनृत्य, सामूहिक लोकगीत, चित्रकला, कविता लेखन, नुकड़ नाटक, क्रिएटिव यूथ रील चैलेंज और पारंपरिक वेशभूषा सहित विभिन्न विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेते हुए अपनी कला और कौशल का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने युवाओं की प्रतिभा की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया तथा उन्हें अपनी रचनात्मकता और कौशल के माध्यम से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सांसद, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

सीएम हेल्पलाइन पर एक कॉल से रिया को मिला छात्रावास

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 आम नागरिकों की समस्याओं के निराकरण का भरोसेमंद माध्यम बन रही है। बलरामपुर जिले के ग्राम मौली की मेधावी छात्रा कुमारी रिया को हेल्पलाइन पर की गई एक कॉल से कक्षा 9वीं की पढ़ाई जारी रखने का अवसर मिला। रिया ने 88.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे, लेकिन छात्रावास में प्रवेश नहीं मिलने से उसकी पढ़ाई प्रभावित होने की आशंका थी। पिता अजय प्रसाद अग्रिया ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर समस्या दर्ज कराई। दस दिनों के भीतर आदिम जाति विकास विभाग ने प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावास, वाड्पन्गम में रिया को सीट आवंटित कर दी।

जिला स्तरीय आयुष स्वास्थ्य मेले में 635 लोगों का हुआ उपचार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। आम नागरिकों को सुलभ एवं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शनिवार को कौहाकुंडा पहाड़ मंदिर के पास प्राथमिक शाला परिसर में जिला स्तरीय आयुष स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। नगर निगम के महापौर जीवर्धन चौहान ने भगवान धन्वंतरि की पूजा-अर्चना कर स्वास्थ्य मेला का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर सभापति डिग्रीला साहू, स्थानीय पार्षद सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं आयुष विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर जीवर्धन चौहान ने

कहा कि आयुष चिकित्सा पद्धति हमारी प्राचीन और समृद्ध चिकित्सा परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। आयुर्वेद, योग एवं होम्योपैथी के माध्यम से लोगों को बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जा सकता है।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में खानपान, नियमित दिनचर्या और योग को अपनाना बेहद जरूरी है। ऐसे स्वास्थ्य मेले आम नागरिकों को एक ही स्थान पर निःशुल्क जांच, परामर्श एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ ही स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी करते हैं। उन्होंने लोगों से आयुष चिकित्सा पद्धतियों का लाभ लेने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की। कलेक्टर मयंक

चतुर्वेदी के निदेशानुसार एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ. मीरा भगत के मार्गदर्शन में आयोजित इस मेले में कुल 635 मरीजों का निःशुल्क उपचार कर औषधियों का वितरण किया गया। इनमें आयुर्वेद पद्धति से 560 तथा होम्योपैथी पद्धति से 75 मरीजों का उपचार किया गया। इसके अलावा 105 लोगों का रक्त परीक्षण किया गया। शिविर प्रभारी डॉ. विजयलक्ष्मी चंद्रा ने आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति की उपयोगिता एवं वैज्ञानिक महत्व की जानकारी देते हुए कहा कि आयुर्वेद में रोगों के उपचार के साथ ही उनकी रोकथाम और स्वस्थ जीवनशैली पर विशेष जोर दिया जाता है।

सरदार पटेल के आदर्शों पर चलकर सुरक्षित, समृद्ध और विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण हमारा संकल्प - विजय शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर आज छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल की चौथी वाहिनी, माना में राष्ट्रीय एकता दिवस परेड समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा मुख्य रूप से शामिल हुए। उन्होंने परेड की सलामी ली, मार्च पास्ट का अवलोकन किया तथा उपस्थित जनसमूह को राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सुरक्षा की शपथ दिलाई। इस अवसर पर उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए प्रदेशवासियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपनी अदम्य इच्छाशक्ति, दूरदर्शिता और कुशल नेतृत्व से 560 से अधिक देशी रियासतों का भारतीय संघ में एकीकरण कर अखंड भारत की आधारशिला रखी। उनका जीवन हमें सिखाता है कि राष्ट्रीय एकता केवल भौगोलिक सीमाओं का एकीकरण नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्र के प्रति विश्वास, समर्पण और साझा जिम्मेदारी की भावना का निर्माण भी है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के आदर्श आज भी देश की एकता, अखंडता और आंतरिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने की



प्रेरणा देते हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस का यह अवसर छत्तीसगढ़ के लिए विशेष महत्व रखता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ ने नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई में ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की है। एक समय देश के 126 जिले वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित थे। आज केंद्र एवं राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों, सुरक्षा बलों के अदम्य साहस और स्थानीय जनता के सहयोग से नक्सलवाद के प्रभाव को समाप्त करने की दिशा में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि हम नक्सली हिंसा और भय से प्रभावित रहे बस्तर के दूरस्थ अंचलों में आज शांति, सुरक्षा और विकास की नई उम्मीद जगी है।

हमारे वीर जवानों ने कठिन परिस्थितियों में अदम्य साहस और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए बस्तर में शांति स्थापना की मजबूत आधारशिला रखी है। यह सफलता केवल सुरक्षा बलों की उपलब्धि नहीं, बल्कि बस्तर की जनता के विश्वास, सहयोग और शांति की आकांक्षा का भी परिणाम है। गृह मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल नक्सलवाद का अंत करना नहीं, बल्कि बस्तर के प्रत्येक गांव तक सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार और रोजगार के अवसर पहुंचाना है। बस्तर के जनजातीय समुदायों की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और स्थानीय आकांक्षाओं का सम्मान करते हुए उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। बस्तर के नागरिक केवल विकास योजनाओं

के लाभार्थी नहीं, बल्कि अपने क्षेत्र के शांतिपूर्ण, समृद्ध और उज्ज्वल भविष्य के प्रमुख भागीदार हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने जिस अखंड, सशक्त और एकजुट भारत का स्वप्न देखा था, उसे साकार करना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने आह्वान किया कि राष्ट्रीय एकता दिवस पर हम सभी शांति, सुरक्षा, सामाजिक समरसता और विकास के माध्यम से छत्तीसगढ़ को देश के विकसित राज्यों की अग्रिम पंक्ति में स्थापित करने का संकल्प लें।

राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह के दौरान उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने नक्सली हिंसा में शहीद हुए वीर जवानों की स्मृति में लगाई गई छायाचित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने शहीद जवानों के चित्रों पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। प्रदर्शनी में नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान पुलिस बल की कार्यप्रणाली, जवानों के शौर्य, साहस और बलिदान के साथ पुलिस विभाग द्वारा संचालित कल्याणकारी गतिविधियों को भी प्रदर्शित किया गया। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि बस्तर में स्थापित हो रही शांति के पीछे हमारे वीर जवानों का अदम्य साहस, त्याग और बलिदान है। देश और प्रदेश की सुरक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीदों का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी. चौधरी ने कहा कि प्रभु श्रीराम का जीवन केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए आदर्श है। उनका जीवन हमें संघर्ष, त्याग, मर्यादा, कर्तव्यनिष्ठा और सेवा की प्रेरणा देता है। भगवान श्रीराम ने राजपरिवार में जन्म लेने के बावजूद अनेक कठिनाइयों का सामना किया और 14 वर्षों का वनवास स्वीकार किया। उनके जीवन से हमें सीख मिलती है कि कठिन परिस्थितियों से विचलित हुए बिना समाज और मानवता के कल्याण के लिए निरंतर कार्य करना चाहिए।

वित्त मंत्री श्री चौधरी आज रायगढ़ के पंजरी प्लांट स्थित संत पूज्य श्री ग्रियदर्शी राम ऑडिटोरियम में श्री रामलला दर्शन योजना एवं मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत तीर्थयात्रा कर लौटे वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने जिले के 981 वरिष्ठ नागरिकों को श्रीरामचरित मानस की पुस्तिका, व्यास वेदी और शाल भेंट कर सम्मानित किया। इनमें ग्रामीण क्षेत्रों के 861 तथा शहरी क्षेत्रों के 120

प्रदेश में एक लाख श्रीरामचरित मानस पुस्तिकाएं और व्यास वेदी वितरित करने का संकल्प



वरिष्ठ नागरिक शामिल थे।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ भगवान श्रीराम का ननिहाल है। माता कौशल्या छत्तीसगढ़ की बेटी थीं, इसलिए भगवान श्रीराम का प्रदेश से गहरा सांस्कृतिक और भावनात्मक संबंध है। छत्तीसगढ़ में भगवान श्रीराम को खेहपूर्वक भांचा राम कहा जाता है। यहां भांचा के प्रति विशेष आदर और उनके चरण स्पर्श करने की परंपरा हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के आदर्श आज भी समाज को सही

दिशा प्रदान करते हैं। उनके जीवन में मर्यादा, पारिवारिक मूल्यों, सामाजिक समरसता और लोककल्याण का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। श्रीराम के आदर्शों को आत्मसात कर हम समाज में सेवा, सद्भाव और सकारात्मकता की भावना को और मजबूत कर सकते हैं।

वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों की धार्मिक आस्था और भावनाओं का सम्मान करते हुए मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना को पुनः प्रारंभ किया। इसके साथ

ही सरकार के पहले बजट में श्री रामलला दर्शन योजना प्रारंभ की गई, ताकि छत्तीसगढ़ के श्रद्धालु अयोध्या धाम पहुंचकर प्रभु श्रीराम के दर्शन कर सकें।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि अधिक से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थयात्रा का अवसर मिले। इसके लिए यात्रा के दौरान आवागमन सहित आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है। ये योजनाएं वरिष्ठजनों की वर्षों पुरानी इच्छाओं और धार्मिक आकांक्षाओं को पूरा करने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही हैं।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने बताया कि अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के दर्शन के दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ में कम से कम एक लाख श्रीरामचरित मानस पुस्तिकाएं और व्यास वेदी श्रद्धालुओं तक पहुंचाने का संकल्प लिया था। इसी संकल्प को पूरा करने की दिशा में विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि श्रीरामचरित मानस भारतीय संस्कृति, जीवन मूल्यों और आदर्शों का महत्वपूर्ण ग्रंथ है। इसके माध्यम से नई पीढ़ी को भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन, मर्यादा और

कर्तव्यबोध से परिचित कराने के साथ हमारी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया ने कहा कि आज का दिन सभी के लिए गौरव और प्रसन्नता का अवसर है। छत्तीसगढ़ माता कौशल्या की जन्मभूमि और भगवान श्रीराम का ननिहाल है। अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर के निर्माण के बाद श्रद्धालुओं को दर्शन का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की योजनाओं से अनेक वरिष्ठ नागरिकों का वर्षों पुराना सपना साकार हुआ है। तीर्थयात्रा से लौटे श्रद्धालुओं के अनुभव और उनके चेहरों की प्रसन्नता इन योजनाओं की सार्थकता को दर्शाती है। राज्यसभा सांसद देवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना और श्री रामलला दर्शन योजना श्रद्धालुओं को देश के प्रमुख तीर्थस्थलों तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनी हैं। उन्होंने भारतीय संस्कृति, मंदिरों और धार्मिक विरासत के संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि अयोध्या धाम में भगवान श्रीराम के दर्शन करना श्रद्धालुओं के लिए विशेष आध्यात्मिक अनुभव है।

अम्बिकापुर के माखन विहार मुख्य मार्ग का 155.09 लाख रुपये की लागत से होगा डामरीकरण

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में शहरी अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण और नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में सरगुजा जिले के अम्बिकापुर नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत माखन विहार मुख्य मार्ग पर 155.09 लाख रुपये की लागत से डामरीकरण कार्य कराया जा रहा है। मंजू किराना दुकान से शिव मंदिर तक बनने वाली इस सड़क के निर्माण के अंतर्गत शनिवार को डब्ल्यूएमएम (वेट मिक्स मैकडम) का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। माखन विहार मुख्य मार्ग के डामरीकरण से क्षेत्र की सड़क अधोसंरचना मजबूत होगी और स्थानीय नागरिकों को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध होगी। निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद इस मार्ग से आने-जाने वाले स्कूली बच्चों, कामकाजी लोगों और अन्य नागरिकों को दैनिक आवागमन में सहूलियत मिलेगी। सड़क के उन्नयन से क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने में भी मदद मिलेगी। डामरीकरण से पहले की इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया में निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुसंध गिट्टी एवं अन्य निर्माण सामग्री की परत तैयार कर सड़क के आधार को मजबूत बनाया जाता है।

संस्कारधानी स्ट्राइकर्स छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के पहले फाइनलिस्ट बने

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का पहला सेमीफाइनल मुकाबला पूरे दूर्नामेंट के सबसे बेहतररीन मैचों में से एक रहा। आज खेले गए पहले सेमीफइनल में संस्कारधानी स्ट्राइकर्स ने न्यायधानी नाइट्स को 6-3 से हराकर फइनल में जगह बनाई। दोनों टीमों ने शानदार कौशल का प्रदर्शन किया और कोई भी टीम पीछे हटने को तैयार नहीं थी। हालांकि कमजोर मानी जा रही (अंडरडॉग) संस्कारधानी स्ट्राइकर्स ने अंततः जीत हासिल की। कृषि मंत्री रामविचार नेताम, अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी श्रेयांश जायसवाल, 'नईदुनिया' के संपादक सतीश चन्द्र श्रीवास्तव, आईबीसी-24 के प्रबंध संपादक विशेश ठाकरे, एनटीपीसी के जीएम प्रवीण गर्ग, सारडा के प्लांट हेड मनोज शाह



और एसबीआई के मुख्य प्रबंधक गौरव यादव भी पहला सेमीफइनल देखने स्टेडियम पहुंचे थे। सेमीफइनल में स्ट्राइकर्स चौथी क्वालीफायर टीम के रूप में पहुंची थी, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी नाइट्स पॉइंट्स टेबल में सबसे ऊपर थे। न्यायधानी नाइट्स लीग चरण में एक भी मैच नहीं हारी थी। उन्होंने

स्ट्राइकर्स को भी लीग मैच में 5-3 से हराया था। पहले सेमीफाइनल में स्ट्राइकर्स ने पहले क्वार्टर में ही अपना खाता खोल लिया। शहररुख ने एक शानदार प्लिक के जरिए गोल किया, जो पोस्ट के दाहिने कोने में जाकर लगा। इसके कुछ ही देर बाद, नाइट्स के आदर्श ने एक फील्ड गोल करके स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। 15 मिनट पूरे होने से ठीक पहले न्यायधानी नाइट्स को अपना दूसरा गोल मिला। मिडफील्ड से मिली गेंद को चिराग ने स्ट्राइकर्स के सभी डिफेंडरों को छकाते हुए गोल में बदल दिया।

दूसरे क्वार्टर में भी दोनों टीमों ने उसी गति से खेला जारी रखा, और इस दौरान गोलों की झड़ी लग गई। आशीष तानी पुर्ति ने पेनल्टी कॉर्नर के ज़रिए लीग में अपना 13वां गोल किया और सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। इसके कुछ देर बाद,

24वें मिनट में अरबाज अली ने शानदार खेल दिखाते हुए अपना पहला गोल किया। तीसरे क्वार्टर में शहररुख ने नाइट्स के कुछ डिफेंडरों को छकाते हुए एक फील्ड गोल किया और स्कोर बराबर कर दिया। इसके कुछ ही समय बाद, जब शमशेर एक पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने से चूक गए, तो शहररुख ने रिबाउंड पर गोल करके अपनी हैट्रिक पूरी कर ली।

आखिरी क्वार्टर में आर्यन ज़ेस ने अपनी टीम के लिए पांचवां गोल करके मुकाबले को एकतरफा। कर दिया। उन्हें सर्कल के अंदर एक बेहतरीन पास मिला, जिसे उन्होंने बड़ी सफाई से गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। रही-सही कसर ओम कुमार यादव ने पूरी कर दी। उन्होंने निशांत तिवारी के साथ मिलकर टीम की बढ़त को 6-3 तक पहुंचा दिया।

कुशल ज्वेलर्स

• सोना • राशि रत्न
• चांदी • गिह्वी

आशीष 9827112250
राजा 9827919190

ओसवाल भवन के सामने, जवाहर चौक दुर्गा, 0788-2212684

SAIRAM
Mobile Accessories

मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है

7000415602

Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

चौरसिया ज्वेलर्स

आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्वेन्स एवं श्रद्धालु उपलब्ध यहां
उचित व्याज दर पर धरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

CAR DECOR

House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories

Shop No.3 Nafish Tower,
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai

Mo.9300771925, 0788-4030919 K. Satyanarayan

**ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE**

Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture

Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 22964330

Shri Vijay Enterprises

Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.

Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

बीजापुर से दुर्ग जा रही बस पलटी, 5 घायल



बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर से दुर्ग जा रही मनीष यात्री बस भैरमगढ़ के पास बांगपाल में अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में 3 महिला और 2 बच्चे घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए नेलसनार अस्पताल ले जाया जा रहा है। वहीं, भैरमगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भी घायलों के इलाज की तैयारी की गई है। हालांकि, घायलों की संख्या की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। भैरमगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर और ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर रमेश तिग्गा ने बताया कि फिलहाल घायलों को नेलसनार अस्पताल भेजा जा रहा है। भैरमगढ़ अस्पताल में भी इलाज की पूरी व्यवस्था की गई है। यहां मरीजों के पहुंचते ही इलाज शुरू कर दिया जाएगा। हादसा नेलसनार थाना क्षेत्र में हुआ है। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोग राहत और बचाव कार्य में जुटे हैं। घायलों की स्थिति की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

सरपंच चुनाव की रजिश में युवक की हत्या

मुंगेली। सरपंच चुनाव में महज 8-9 मतों से मिली हार की रजिश में तुलसी साहू (32) की हत्या कर दी गई। मुंगेली पुलिस ने अंधेकल का खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। हत्या की साजिश मुख्य आरोपी धनीराम साहू ने रची थी, जिसके लिए 1 लाख 20 हजार रुपये की सुपारी तय की थी। 2025 के सरपंच चुनाव में धनीराम साहू हार गया था, झुलुराम वर्मा चुनाव जीतकर सरपंच निर्वाचित हुए थे। उसे शक था कि मतगणना अधिकारी रहे तुलसी साहू ने कुछ मत निरस्त करवाकर उसकी हार सुनिश्चित की। इसी रजिश में उसने अपने साले धुवन साहू और अन्य लोगों के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई। 25 अक्टूबर की शाम तुलसी घर से निकला था। आरोपियों ने ग्राम पेपड़ी ‘स’ के पास उसकी मोटरसाइकिल रुकवाकर कार में अपहरण कर लिया। उसे ट्रबूकेल के पंप हाउस में ले जाकर 100 रुपये के स्ट्याम पेपर पर चुनाव में कथित गड़बड़ी स्वीकार करवाने संबंधी बातें लिखवाई और वीडियो बनाया। बिजली के तार से पैर बांधकर गमछे से गला घोट दिया। हत्या के बाद शव को गणेश मिनरल्स के पास कीचड़ में फेंककर कंटेनर झाड़ियों से ढंक दिया गया।

केरा रोड पर चाकू लहराकर डराने वाला युवक गिरफ्तार

जांजगीर। सिटी कोतवाली पुलिस ने केरा रोड के खोखरा नहर पुल के पास चाकू लेकर लोगों को डराने वाले युवक को पकड़ा। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। आरोपी के पास से चाकू जब्त किया गया। आरोपी की पहचान हिमांशु डहरिया उर्फ मोनू, पिता विनोद डहरिया, उम्र 22 साल, निवासी भाटापारा जांजगीर के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक आरोपी धारदार हथियार लेकर मारने दौड़ रहा था। आने-जाने वालों को हथियार लहराकर डरा रहा था। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25, 27 के तहत कार्रवाई की गई।

दो दिन में 11 गौवंशों की मौत बारिश-ठंड ने ली जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलाईगढ़। नगर पंचायत बिलाईगढ़ के समीप संचालित अस्थायी गौठान में अव्यवस्था और लापरवाही के चलते महज 48 घंटे के भीतर 11 गौवंशों की मौत हो गई। 29 अक्टूबर को 5 और 30 अक्टूबर को 6 मवेशियों ने दम तोड़ दिया।

लगतार दो दिनों में हुई इन मौतों ने गौठान में पशुओं की देखरेख और उपलब्ध सुविधाओं की कड़वी हकीकत उजागर कर दी है। बारिश के बीच कीचड़ और ठंड में खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर गौवंशों के आगमन को देखते हुए हेलीपैड निर्माण के लिए गौठान की छाया हटा दी गई थी। इसके बाद दोबारा छाया का इंतजाम किया ही जा रहा



था कि अचानक मौसम खराब हो गया और मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। इसी दौरान पशुओं की मौत हुई, हालांकि मौतों की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं है। गौठान परिसर में बारिश से भारी कीचड़ फैल गया, जिससे मवेशी गंदगी में रहने को मजबूर थे। स्थानीय स्तर पर पशुओं के लिए स्वच्छ पेयजल, पर्याप्त चारा और सुरक्षित आश्रय की कमी की बात सामने आ रही है। खासकर कमजोर व बीमार पशुओं को बारिश और ठंड से बचाने के इंतजाम न होने से स्थिति चिंताजनक थी। जिले में अब तक स्थायी गौधाम शुरू न होने से गौवंशों की जिम्मेदारी अस्थायी गाँठानों पर है। लेकिन घटना ने साफकर दिया है कि सुविधाओं से विहीन ये गौठान पशुओं की सुरक्षा पर भारी पड़ रहे हैं।

डॉक्टर के मकान से 1 करोड़ की चोरी, 9 गिरफ्तार

जमीन में गाड़े गहने, खरीदी महंगी कार, 47 लाख कैश समेत 1 करोड़ की संपत्ति जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में डॉक्टर के बंद मकान से करीब 1 करोड़ रुपए की चोरी के मामले में पुलिस ने 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चोरी की रकम से दिल्ली में सेकंड हैंड कार खरीदी गई, जबकि कुछ सोने के गहने घर के फर्श के नीचे गाड़ दिए गए थे। एक ज्वेलर्स ने चोरी के गहनों को भट्ठी में गलाकर उनका स्वरूप भी बदल दिया था।

पुलिस ने 47 लाख 64 हजार रुपए कैश, सोने-चांदी के आभूषण, कार और अन्य सामान समेत करीब 1 करोड़ रुपए की संपत्ति बरामद की है। वारदात का मास्टरमाइंड और मुख्य आरोपी राहुल बंसोड़ अभी फरार है। जिनकी तलाश में पुलिस टीम जुटी हुई है। मामला वैशाली नगर थाना क्षेत्र के सुंदर नगर का है।

जानकारी के मुताबिक, डॉक्टर नमिता मित्तल 17 अक्टूबर को परिवार के साथ घर में ताला लगाकर एक सप्ताह के लिए बाहर गई थीं। 23 अक्टूबर की सुबह लौटने पर उन्हें घर की अलमारी में रखी नकदी और सोने-चांदी के साथ डायमंड के आभूषण गायब मिले। चोरी हुई



सामान की कीमत करीब 1 करोड़ रुपए बताई गई।

शिकायत पर वैशाली नगर थाने में केस दर्ज किया गया। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। संदिग्धों की गतिविधियों की जांच के दौरान वैशाली नगर क्षेत्र के राहुल बंसोड़ की भूमिका सामने आई। वारदात के बाद से ही वह फरार था।

उसकी तलाश में पुलिस ने महाराष्ट्र के गोंदिया और नागपुर में दबिशा दी। तकनीकी सबूतों और मुखबिरों से मिली जानकारी के की अलमारी में रखी नकदी और सोने-चांदी के साथ डायमंड के आभूषण गायब मिले। चोरी हुई

उत्तर प्रदेश पहुंची।

प्रयागराज-मिर्जापुर के बीच ठिकाने बदल रहा था गिरोह

पुलिस के मुताबिक, आरोपी लगातार प्रयागराज और मिर्जापुर के बीच ठिकाने बदल रहे थे। पुलिस से बचने के लिए गंगा नदी के एक किनारे से दूसरे किनारे तक नाव से आना-जाना कर रहे थे। स्थानीय पुलिस की मदद से अलग-अलग टीमों बनाकर आरोपियों की तलाश की गई।

इस दौरान चोरी में शामिल प्रदीप कुमार चौधरी को गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर उसके हिस्से की नकदी और सोने के आभूषण बरामद किए गए। उसने इन्हें घर के कमरे में



फर्श के नीचे गड्ढा खोदकर छिपाया था।

मदौही के ज्वेलर्स ने खरीदे चोरी के गहने

प्रदीप ने पृष्ठताछ में बताया कि उसने अपने हिस्से के सोने के आभूषण मदौही स्थित वैष्णवी ज्वेलर्स के संचालक सोनू जायसवाल को कम कीमत पर बेचे थे। ज्वेलर्स ने कुछ गहनों को अपने घर में रखी भट्ठी में गलाकर उनका स्वरूप बदल दिया था।

जांच में प्रदीप के रिश्तेदार सुजीत सिंह उर्फ बाबू की भूमिका भी सामने आई। उसने चोरी के आभूषणों की बिक्री कराने, माल खपाने और आरोपियों की मदद करने के बदले लाखों रुपए लिए थे।

पुलिस जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी राहुल बंसोड़ वारदात के बाद भिलाई से फरार होकर गोंदिया, नागपुर, मिर्जापुर और प्रयागराज होते हुए दिल्ली पहुंचा था। वहां उसने चोरी की रकम से सेकंड हैंड कार खरीदी। वाहन लेकर वह बाद में भिलाई लौट आया।

वहीं, प्रदीप ने चोरी की रकम से करीब 1 लाख रुपए की सुपर स्प्लेंडर बाइक खरीदी थी। उसने घर में बोरिंग कराने, मरम्मत और मोटर पंप लगवाने में भी चोरी की रकम खर्च की थी।

पुलिस राहुल बंसोड़ के घर, रिश्तेदारों और परिचितों की गतिविधियों पर नजर रख रही थी। पुलिस की कार्रवाई की भणक लगने पर राहुल अपनी कार सुपेला चौक के

आसपास छोड़कर फरार हो गया।

इसके बाद उसने अपने भाई आयुष बंसोड़ और परिचितों से इनोवा कार की व्यवस्था कर चोरी का माल लेकर निकलने को कहा। जांच में आयुष बंसोड़, रेखचंद्र देवांगन, इनोवा वाहन मालक आकाश कुमार श्रीपाद और अमन सिंह की भूमिका सामने आई। पुलिस के मुताबिक, इन लोगों ने इनोवा की व्यवस्था कर चोरी की नकदी और आभूषणों को सुरक्षित स्थान पर ले जाने की योजना बनाई थी। इसके बदले आर्थिक लाभ लेने की बात भी सामने आई।

3 बजे इनोवा समेत पकड़े गए आरोपी

पुलिस की अलग-अलग टीमों ने संभावित रास्तों पर घेराबंदी की। इसी दौरान शनिवार तड़के करीब 3 बजे चोरी का माल लेकर जा रहे आरोपियों को अलग-अलग वाहनों से आगे और पीछे से घेरकर रोक लिया गया।

पुलिस ने इनोवा समेत आरोपियों को पकड़ लिया। उनके कब्जे से नकदी और सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए गए। पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

रायपुर कलेक्ट्रेट में फंदे से लटका मिला चौकीदार का शव, 20 लाख रुपए से ज्यादा कर्ज होने की चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर कलेक्ट्रेट परिसर में शनिवार सुबह चौकीदार दिनेश यादव (50) का शव फंदे पर लटका मिला। सुबह करीब 9 बजे शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। दिनेश सुबह 6:50 बजे तक परिसर में दिखाई दिया था। इसके बाद उसकी मौत की खबर सामने आई। उन पर 20 लाख रुपए से ज्यादा कर्ज होने की भी चर्चा है, हालांकि आत्महत्या की वजह की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है। शव मिलने के बाद परिसर में लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतरवाया और पंचनामा सहित आगे की कार्रवाई शुरू की।

कर्ज की बात सामने आई, कारणों की जांच जारी

घटना के बाद दिनेश यादव पर आर्थिक दबाव होने की बात सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि



उन पर 20 लाख रुपए से अधिक का कर्ज था। हालांकि, कर्ज के कारण ही उन्होंने आत्महत्या की, इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

पुलिस परिजनों और परिचितों से पूछताछ कर रही है। साथ ही घटनास्थल से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, मौत के कारणों का पता जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा।

रायपुर के मिठाई दुकानों-ब्रेड फैक्ट्री में खाद्य विभाग का छापा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। त्योहारों से पहले मिठाई और दूसरी खाद्य सामग्री की गुणवत्ता जांचने खाद्य विभाग ने राजधानी में बड़ी कार्रवाई की है। शुक्रवार को खाद्य एवं औषधि प्रशासन के नियंत्रक दीपक अग्रवाल खुद टीम के साथ जांच करने पहुंचे। टीम ने बिरगांव, समता कॉलोनी, पचपेड़ी नाका के पास और कमल विहार में मिठाई और अन्य खाद्य सामग्री की दुकानों का निरीक्षण किया।

1. खत्री स्वीट्स, बिरगांव : यहां मिठाई बनाने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे दूध में कीड़े तैरते मिले। काजू और



मिठाइयों की गुणवत्ता भी संदिग्ध पाई गई। टीम ने काजू, बूंदी, शक्कर और मिल्क केक के सैंपल लिए। करीब 80 लीटर दूध, 3 किलो केक और 20 किलो

चमचम समेत अन्य सामग्री नष्ट कराने की कार्रवाई की गई।

2. लक्ष्मी फूड प्रोडक्ट्स : ब्रेड बनाने वाली इस फैक्ट्री में कई चूहे घूमते मिले। करीब 80

किलो अलग-अलग तरह की ब्रेड नष्ट कराई गई। फैक्ट्री का खाद्य लाइसेंस निलंबित कर दिया गया।

3. अग्रवाल मिठाई वाला :

टीम ने बेसन, लड्डू और घी के सैंपल लिए। यहां 100 किलो बालूशाही, 25 किलो रसगुल्ला, 10 किलो काजू खोवा, 5 किलो दूध खोवा और 25 किलो खोवा-काजू मिस्र समेत अन्य सामग्री नष्ट कराने की कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा के नियमों में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी दुकानदारों को साफ-सफाई के नियमों का पालन करना होगा।

4.कृष्णा स्वीट्स: जांच में यह दुकान बिना खाद्य लाइसेंस के संचालित मिली। यहां पैकड मिठाइयों की ट्रेडिंग की जा रही थी। इसके अलावा 720 किलो डिलिशियस स्वीट्स, 112 किलो

मैसूर पाक और 3,960 किलो कुन्दा जलत किया गया।

जांच रिपोर्ट के बाद होगी आगे की कार्रवाई

खाद्य विभाग ने बताया कि तीनों प्रतिष्ठानों को साफ-सफाई के सभी नियम पूरे होने तक बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। वहां से लिए गए खाद्य पदार्थों के सैंपल जांच के लिए लैब भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा के नियमों में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी दुकानदारों को साफ-सफाई के नियमों का पालन करना होगा।

झारखंड का 160 क्विंटल धान जब्त

जशपुरनगर। सर्मथन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होने से पहले ही दूसरे राज्य का धान छत्तीसगढ़ की मॉडियों में खपाने की कोशिश के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। धोलेंग के पास जांच के दौरान दो ट्रकों से 160 क्विंटल धान जब्त किया। धान झारखंड के गुमला से सरगुजा जिले के बतौली ले जाया जा रहा था। वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर करीब 3.79 लाख रुपए कीमत का धान जब्त कर जिला प्रशासन को सौंप दिया गया है। ट्रक चालकों और मालिकों समेत चार लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें एसडीएम न्यायालय में पेश किया।



रायगढ़ में 1.50 लाख के कोयले की हेराफेरी, आरोपी बिहार से गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। रायगढ़ जिले में कोयला परिवहन के दौरान हेराफेरी का मामला सामने आया है। जामपाली कोयला खदान से अकलतरा प्लांट के लिए निकला 24.620 मीट्रिक टन कोयला गंतव्य तक नहीं पहुंचा। ट्रक चालक ने कोयला ईट भट्टों में बेच दिया। पुलिस ने आरोपी चालक को बिहार के रोहतास जिले से गिरफ्तार किया है।

बोईरदादर निवासी विवेक पाण्डेय ने 8 मई को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि राज ट्रंसपोर्ट, डिमरापुर रायगढ़ में कोयला परिवहन का काम किया जाता है। जनवरी में जामपाली कोयला खदान से आरसमेटा प्लांट के लिए रवाना किया गया। अगले अकलतरा, जिला जांजगीर-चांपा तक कोयला पहुंचाने का सौदा तय हुआ था।

इसके लिए ट्रक चालक लल्लन कुमार प्रसाद (57), निवासी अमरथा, थाना काराकाट, जिला रोहतास (बिहार) से 700 रुपए प्रति टन की दर तय की गई थी। इसके बाद उसी शाम ट्रक में जी-10 ग्रेड का 24.620 मीट्रिक टन कोयला लोड कर अकलतरा प्लांट के लिए रवाना किया गया। अगले दिन तक ट्रक गंतव्य तक नहीं पहुंचा। चालक से संपर्क करने पर उसने पहले फोन नहीं उठाया। करीब 10 दिन बाद फोन रिसीव कर कोयला दूसरी जगह बेचने की बात कही और जो करना है कर लेने की धमकी दी।



चालक ने करीब 1.50 लाख रुपए कीमत का कोयला बेचकर धोखाधड़ी की। इस पर पुलिस ने अमानत में खयानत की रिपोर्ट पर धारा 318(4), 316(3) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस ने शिकायतकर्ता और गवाहों के बयान दर्ज किए। आरोपी के मोबाइल नंबर के आधार पर उसकी तलाश की गई।

आरोपी के बिहार के रोहतास जिले स्थित गांव में होने की जानकारी मिलने पर एसएसपी के निर्देश पर पुलिस टीम बिहार नवादा हुई। टीम ने घेराबंदी कर आरोपी लल्लन कुमार को हिरासत में लिया।

इसके बाद आरोपी को अपर अनुमंडल मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, विक्रमगंज, जिला रोहतास के सामने पेश किया गया। वहां से ट्रॉजिट रिमांड मिलने के बाद उसे रायगढ़ लाया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा जा रहा है।





छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस

राज्योत्सव
2026



सशक्त नारी, युवा उड़ान

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़



01 नवंबर
2026

शुभारंभ समारोह

मुख्य अतिथि

डॉ. मनसुख मांडविया

माननीय केंद्रीय श्रम एवं रोजगार,
युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री, भारत सरकार

अध्यक्षता

श्री विष्णु देव साय

माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़



राज्योत्सव मैदान
नवा रायपुर अटल नगर
(छत्तीसगढ़)

विशिष्ट अतिथि

डॉ. रमन सिंह

माननीय अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ विधानसभा

श्री तोखन साहू

माननीय केंद्रीय राज्यमंत्री, भारत सरकार

श्री अरुण साव

माननीय उप मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री विजय शर्मा

माननीय उप मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

एवं

समस्त माननीय मंत्री, सांसद, विधायक, निगम, मंडल, आयोग, जिला पंचायत के माननीय अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यगण
माननीय महापौर की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित है।



छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की

सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...



पीएम आवास योजना

24.54 लाख से अधिक ग्रामीण
परिवारों को पक्की छत

कृषक कल्याणकारी
योजनाओं से

₹1.5 लाख करोड़ से
अधिक की राशि किसानों
को अंतरित

डेस्टिनेशन छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ में पर्यटन को
उद्योग का दर्जा ट्राइबल हेरिटेज
व ईको टूरिज्म को बढ़ावा

सड़कों का विकास

₹40 हजार करोड़ से अधिक की
लागत से राजमार्गों का विकास

विकास
विश्वास
विजन

संवर रहा
छत्तीसगढ़

महतारी वंदन योजना

68 लाख महिलाओं को ₹20,708 करोड़
से अधिक की राशि अंतरित

इन्वेस्ट छत्तीसगढ़

₹8.60 लाख करोड़ से
अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त

रेलवे का विस्तार

₹54,000 करोड़ की
रेल परियोजनाओं का
क्रियान्वयन

जनजातीय प्रतिभाओं
को प्रोत्साहन

बस्तर एवं सरगुजा ओलंपिक,
बस्तर पण्डुम का निरंतर आयोजन

सेवा सेतु

जनता के द्वार, डिजिटल सरकार

38 विभागों की 953 सेवाएं
एक ही प्लेटफॉर्म पर



हमसे जुड़ने के लिए
QR स्कैन करें



सीएम हेल्पलाइन 1076

हर शिकायत की सुनवाई
हर समस्या का समाधान



छत्तीसगढ़
जनसंपर्क

Visit us : [f](https://www.facebook.com/ChhattisgarhCMO) [X](https://www.x.com/ChhattisgarhCMO) [i](https://www.instagram.com/ChhattisgarhCMO) [y](https://www.youtube.com/ChhattisgarhCMO) /ChhattisgarhCMO [f](https://www.facebook.com/DPRChhattisgarh) [X](https://www.x.com/DPRChhattisgarh) [i](https://www.instagram.com/DPRChhattisgarh) [y](https://www.youtube.com/DPRChhattisgarh) /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in